सोमवार
10 जुलाई 2023

पृष्ठ 4
पलकों को लंबा और घना बनाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

पृष्ठ 5
सूर्या कर्ण से करेंगे बॉलीवुड में डेब्यू!

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 155
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

आपत्तियाँ मनुष्यता की कसौटी हैं। इन पर खरा उतरे बिना कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता।
पं. रामप्रताप त्रिपाठी

पहाड़ पर आफत का अलर्ट

❑कल और परसों रहे सतर्क, भारी बारिश की संभावना

विशेष संवाददाता

देहरादून। यूं तो उत्तराखंड मे कई दिनों से बारिश ने कोहराम मचा रखा है लेकिन आगामी 2 दिन यानी 11 व 12 जुलाई को राज्य के अधिकांश जिलों में भारी से भी भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए मौसम विभाग ने कुछ जिलों के लिए रेड और कुछ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है तथा शासन-प्रशासन व यात्रियों को सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है।

बीते दो-तीन दिनों से राज्य में कहीं सामान्य तो कहीं सामान्य से अधिक बारिश हो रही है जिसके कारण राज्य की नदियों तथा नालों खालों में उफान आया हुआ है तथा पहाड़ गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। बीती रात विकासनगर क्षेत्र में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से पानी आवासीय क्षेत्र में घुस गया, लोगों को जब घरों में पानी घुसने का पता चला तो वह अपना सामान और जान बचाने की जद्दोजहद में जुट गए। लोगों को रात में ही अपने घर छोड़कर भागना पड़ा। वही खनन कार्य में लगे एक दर्जन

❑विकासनगर में यमुना का पानी घुसा घरों में
❑नैनीताल में भरभरा कर गिरा पहाड़ सड़क पर

भर मजदूर नदी में फस गए जिन्हें किसी तरह रेस्क्यू कर एसडीआरएफ की टीम ने बचाया।

उधर नैनीताल अल्मोड़ा बॉर्डर पर पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा भरभरा कर सड़क पर गिर गया जिसके कारण धूल का गुबार क्षेत्र में छा गया। गनीमत रही कि कोई वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, कई घंटे की मशक्कत के बाद इस मार्ग को खोला जा सका। वही उत्तरकाशी में बारिश के कारण भारी तबाही की खबरें सामने आई हैं यहां 5 गांव को जोड़ने वाला सुपिन नदी पर बना लकड़ी का पुल नदी में आए उफान के कारण बह गया और 5 गांवों का संपर्क मुख्यालय से टूट गया। यही नहीं एक कार चालक द्वारा नदी को पार करने की कोशिश की गई तो उसकी कार भी बह गई स्थानीय लोगों ने बमुश्किल उसकी जान बचाई। हर्षिल घाटी में भारी बारिश के कारण एक पुलिया बह गई। बीते 24 घंटों में चकराता क्षेत्र में 140 एमएम जो

◄◄ शेष पृष्ठ 7 पर

खराब मौसम में यात्रा न करें: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खराब मौसम के मद्देनजर अधिकारियों को सावधान किया है वही कांवड़ यात्रियों व चारधाम यात्रियों से अपील की है कि वह खराब मौसम में यात्रा न करें। उनका कहना है कि स्थानीय प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ख्याल रख रहा है लेकिन यात्री खुद भी अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें।

चिमटी गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

❑12 लाख रुपये कीमत के जेवरात बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो चोरियों का खुलासा करते हुए चिमटी गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर 12 लाख रूपये कीमत के जेवरात बरामद कर लिये। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां पत्रकारों को इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि 15 मई को सोडा सरोली निवासी विजय कुमार व 22 जून को नत्थुवाला निवासी देवकी देवी ने रायपुर थाने में अपने घरों में चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर चोरों को पकडने के लिए पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों के द्वारा पूर्व में चोरी, लूट के मामले में जेल गये अपराधियों के बारे जानकारी जुटाई और जमानत पर छुटे उनका सत्यापन किया गया। इसी दौरान पुलिस टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला गया। सीसीटीवी कैमरों में पुलिस ने चार संदिग्ध व्यक्ति दिखायी दिये। जिनको घटना वाले दिन घर में घुसने व घटना के बाद जाने की फुटेज मिल गयी। जिसके बाद एक टीम को हरिद्वार व दूसरी टीम को सहारनपुर रवाना किया गया। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि पांच माह पूर्व एक सपेरा गैंग जेल से जमानत पर रिहा हुआ है। जिसने पूर्व में बन्द घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। जिसके बाद पुलिस ने उस गिरोह के सभी

◄◄ शेष पृष्ठ 2 पर

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में महसूस किए गए भूकंप के झटके

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिससे काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक 10 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भूकंप के झटके आए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9 नापी गई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक भूकंप सोमवार सुबह 5:38 पर आया था, लेकिन अभी तक इससे किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों के मुताबिक वो सब सुबह अपने दिन की शुरुआत कर रहे थे, तभी अचानक से भूकंप के झटके आए। जिले में रुक-रुककर भारी बारिश का सिलसिला जारी है, ऐसे में सभी डर गए और अपने घरों से निकलकर खुले में आ गए। वहां पर किसी तरह का नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन काफी देर तक अफरा-तफरी रही। इससे पहले रविवार शाम को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भूकंप आया था। वहां की तीव्रता 5.3 थी। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक भूकंप के झटके तेज थे, लेकिन किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि लोग कुछ देर के लिए डर गए थे। फिलहाल अब स्थिति सामान्य है।

गंगा स्नान के दौरान डूबने से 4 बच्चों की मौत

कटिहार। सावन की पहली सोमवारी में बिहार के कटिहार जिले में दर्दनाक हादसा हो गया, जहां गंगा स्नान करने गए 6 मासूम डूब गए। गोताखोरों की मदद से बच्चों को बाहर निकाला गया, आनन-फानन में अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने चार बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। कटिहार जिला के बरारी थाना क्षेत्र में हुए इस घटना में 18 वर्षीय मोहन कुमार, 16 वर्षीय पप्पू कुमार, 15 वर्षीय शिवम कुमार और 14 वर्षीय हर्ष कुमार की मौत हो गई। वहीं दो बच्चों की बमुश्किल जान बच पाई है। गौरतलब है कि सभी मासूम एक गांव के कोढा थाना क्षेत्र के खेरिया गांव निवासी हैं। हादसे की सूचना पर बरारी थाना अध्यक्ष मनीष कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सावन की पहली सोमवारी को सुबह करीब 7:30 बजे खेरिया गांव के 6 बच्चे गंगा स्नान के लिए काढागोलाघाट (बरारी) गए थे। गंगा स्नान करने के बाद, जल भरने लगे, इसी दौरान 4 बच्चे गहरे पानी के चपेट में आ गए, वहीं 2 बच्चे बमुश्किल अपनी जान बचाकर बाहर निकले। वह इतने घबरा गए थे कि पानी से बाहर निकलते ही वहां से भाग गए। वहीं पानी में डूब 4 बच्चों को गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला गया। सभी को बिना वक्त गंवाए बरारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं इस पूरे मामले में बरारी थाना अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा कि पुलिस मामले कार्रवाई कर रही है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है, पोस्टमार्टम कराने के बाद शव सौंप दिया जाएगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

आफत की अतिवृष्टि

इन दिनों उत्तराखंड, हिमाचल और एनसीआर सहित देश के कुछ हिस्सों में आसमान से आफत की बारिश हो रही है। बीते कल इस आफत के चलते हिमाचल में 8 लोगों की जान चली गई वही उत्तराखंड में भी 3 लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है। दिल्ली में तो बारिश ने बीते 41 साल का रिकॉर्ड तोड़ डाला और यहां अभी बाढ़ की संभावनाएं बनी हुई है। देश के उत्तरी राज्यों में आगामी 2 दिनों के लिए मौसम विभाग द्वारा रेड अलर्ट जारी करते हुए कहा गया है कि यहां भारी से भी भारी बारिश हो सकती है। ऐसे में लोगों की परेशानियां बढ़ना स्वाभाविक है। अतिवृष्टि के कारण जहां मैदानी क्षेत्रों में फसलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है वही पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कों के बंद होने से जरूरी सामान की आपूर्ति बाधित हो रही है। उत्तराखंड की बात करें तो यहां भारी बारिश के कारण 170 से भी अधिक सड़कों पर आवाजाही ठप हो गई है। एक तरफ राज्य में चार धाम यात्रा भी चल रही है तथा कावड़ यात्रा भी शुरू हो चुकी है। लाखों की संख्या में कांवड़िए और चारधाम यात्री सड़कों पर है जिनके लिए यह अतिवृष्टि जानलेवा साबित हो रही है। शासन-प्रशासन द्वारा भले ही हर रोज मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार एडवाइजरी जारी की जा रही हो या यात्रियों से यह अपील की जा रही हो कि वह मौसम को देखकर ही यात्रा करें लेकिन आस्था का असर इस कदर उफान पर है कि श्रद्धालुओं को रोक पाना संभव नहीं हो पा रहा है। कावड़िए हर साल की तरह गंगोत्री से गंगा जल भरने पहुंच रहे हैं वहीं हरिद्वार और ऋषिकेश में कांवड़ियों का मेला लगा हुआ है। बीते कल बड़कोट में एक पुलिसकर्मी की पहाड़ से पत्थर गिरने से मौत हो गई। पूरे चारधाम यात्रा मार्ग पर जगह-जगह पहाड़ों से मलबा और बोल्डर आने से सड़कें जगह-जगह बंद हो गई हैं। खास बात यह है कि इसके बीच भी यात्री जान जोखिम में डालकर इन बाधाओं को पार करते हुए यात्रा कर रहे हैं। प्रशासन ने इन सड़कों को खोलने के लिए 200 से अधिक जेसीबी फोकलैंड मशीनें लगा रखी है लेकिन यह काम खास तौर पर उस समय जब लगातार बारिश जारी हो अत्यंत ही जोखिम भरा है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के 13 में से 8 जिलों में आने वाले 2 दिनों 11-12 जुलाई को भारी बारिश होने की संभावना है। जिसके मद्देनजर स्कूलों में अवकाश घोषित किया जा चुका है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों के साथ पुलिस प्रशासन और सभी जिलाधिकारियों को अलर्ट पर रखा गया है। कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है लेकिन सामान्य जनजीवन को प्रभावित होने से नहीं बचाया जा सकता है। देहरादून और हरिद्वार सहित तमाम जिलों में नगरीय क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से लोग परेशान हैं आवासीय क्षेत्रों में पानी भरने से लोगों को भारी दिक्कतें हो रही है व आर्थिक नुकसान हो रहा है। नदियों और नालों के उफान पर होने से भी यातायात प्रभावित हुआ है। राज्य में हर मार्ग पर ऐसे नाले-खाले और रपटे है जिन्हें पार करना जान पर खेलने जैसा ही है। इनमें वाहनों और लोगों के बहने की घटनाएं आम हैं। लोगों से अपील के बाद भी कि वह नदी-नालों से दूर रहें, आए दिन ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं। खास बात यह है कि अभी तो यह मानसून की शुरुआत है अगर अतिवृष्टि का यह क्रम लंबे समय तक जारी रहा तो यह मुश्किलें और भी अधिक बढ़ेगी।

चिमटी गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार..

पृष्ठ 1 का शेष

सदस्यों के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी। गत रात्रि उक्त गिरोह के द्वारा हरिद्वार पथरी से चलकर भानियावाला जौलीग्रांट से थानों रोड से सोडा सरोली रायपुर पहुंचे तभी गठित टीम के द्वारा इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर उनके द्वारा 13 मई को सोडा सरोली व 21 जून को बालावाला में चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर सपेरा बस्ती घोसीपुरा पथरी हरिद्वार से 12 लाख कीमत के जेवरात बरामद कर घटना में प्रयुक्त उपकरण व मोटरसाईकिलें सीज कर दी। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम फौजीनाथ उर्फ चिमटी पुत्र कल्लू नाथ, विक्की पुत्र अमरनाथ व कान्ता पुत्र मौसमनाथ तीनों निवासी सपेरा बस्ती घोसीपुरा पथरी हरिद्वार बताये। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह लोगों को दिखाने के लिए नींबू मिर्ची बेचने एव शनिदान मांगने के लिए उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब आदि राज्यों में विभिन्न स्थानों पर जाकर गली मौहल्लो में घूमा करते हैं इसी आड में बंद घरों की रैकी करते हैं। वह सुनसान स्थानों, जंगल, नालों के आसपास के घरों को निशाना बनाते हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

त्वमीशिषे सुतानामिन्द्र त्वमसुतानाम् ।
त्वं राजा जनानाम्॥

(ऋ० ८.६४.३)

हे सर्वशक्तिमन् परमात्मन्! आप उत्पन्न होनेवाले पदार्थों के और अनादि जीव प्रकृति और सब ब्रह्माण्डों के राजा हैं। जड़ चेतन सब पदार्थों पर शासन कर रहे हैं। आपकी आज्ञा बिना एक पत्ता भी नहीं हिल सकता, ऐसे समर्थ आप प्रभु की शरण में हम आये हैं, कृपया आप ही हमारी रक्षा करें।

सचिवालय में नौकरी के नाम पर नौ लाख ठगने पर पुलिसकर्मी सहित दो पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। सचिवालय में नौकरी लगाने के नाम पर नौ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस कर्मी सहित दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर नत्थनपुर निवासी धनीराम ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका एक पुत्र है जो पढा लिखा है तथा प्राईवेट जॉब करता है। श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह पुत्र गब्बर सिंह उर्फ गबरू निवासी दुधली डोईवाला उसका रिश्तेदार है। जो उसके घर पर आता जाता रहता था। जुलाई 2019 को श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह अपने साथ विक्रम सिंह पुत्र धीरेन्द्र सिंह जो पुलिस में तैनात है तथा टाइप I रेसकार्स (सरकारी क्वाटर) पुलिस लाइन में निवास करता है। श्याम सिंह व सागर सिंह ने उससे कहा कि ये विक्रम सिंह है तथा देहरादून मे ही पुलिस में है। इनकी बडे-2 अधिकारियों से बहुत अच्छी जान पहचान है ये उसके बेटे को सचिवालय में सरकारी नौकरी दिला देगा। जिसमें उसको 9-10 लाख रूपये देने पडेगे। क्योंकि बिना पैसे के सरकारी नौकरी नही लगती है। उसने भी अपना रिश्तेदार होने के नाते श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह पर विश्वास कर लिया। तब कुछ दिनो के बाद उसने इधर-उधर से उधार लेकर तथा कुछ घर से श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह को तीन लाख रूपये नगद दे दिये तथा तीन लाख रूपये उससे सागर सिंह ने विक्रम सिंह के खाते में डलवाये। इस प्रकार से उसने श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह को छः लाख रूपये दे दिये। तब उसने श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह से कहा कि अब में तीन लाख रूपये तब दूँगा जब उसके बेटे का ज्वाइनिग लेटर मिलेगा। कुछ दिनों के बाद श्याम सिंह का उसके पास फोन आया कि उसके बेटे का ज्वाइनिंग लेटर साहब की टेबल पर रखा है। आप लास्ट तीन लाख रूपये तुरन्त दे दो नही तो उसके बेटे की जगह किसी ओर का सलेक्शन हो जायेगा। जब वह तीन लाख रूपये देगे तभी उसके बेटे का ज्वाइनिग लेटर मिल पायेगा। उस वक्त वह अपने आफिस मे ड्यूटी पर था। तब उसने श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह से कहा कि वह उसके आफिस में आ जाए और पैसे ले जाए तब श्याम सिंह ने कहा कि वह उसके पास विक्रम सिंह को भेज रहा है। आप इन्हे पैसे दे दे। तब उसने विक्रम सिंह को अपने आफिस में तीन लाख रूपये नगद दे दिये। उससे अगले दिन उसने श्याम सिंह उर्फ सागर सिंह से कहा कि ज्वाइनिंग लेटर कहा है तब उसने कहा कि कोई रविन्द्र साहनी नाम का व्यक्ति है उसके पास आपके बेटे का ज्वाइनिग लेटर है। वह अभी बहार गया है और दो चार दिन में आ जायेगा। आप चिन्ता मत करो। आपके बेटे को ज्वाइनिंग अवश्य मिल जायेगी। लेकिन अभी तक उसके बेटे का ज्वाइनिंग लेटर उसको नहीं मिला। उसने जब श्याम सिंह से अपने रूपये वापस मांगे तो उसने साफ कह दिया कि वह रूपये नहीं देगा उससे जो हो सकता है कर ले। जिसके बाद उसका पता चला कि श्याम सिंह व विक्रम सिंह ने उसके साथ ठगी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर की स्थिति कर दी गयी बदहाल: लालचंद

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने देहरादून में बारिश के दौरान व्यवस्थाएं ध्वस्त होने पर प्रशासन और सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि आईएसबीटी, पल्टन बाजार सहित देहरादून की मुख्य सड़कें और मोहल्ले बारिश में तालाब का रूप ले रही हैं। स्मार्ट सिटी के नाम पर नालियां ऊपर हो गई हैं और दुकानों नीचे होने से उनमें पानी घुस रहा है। रिस्पना और बिंदाल नदी में सफाई नहीं होने से लोगों के घरों में पानी घुसने का खतरा बना हुआ है।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस की ओर से इस समस्या से कई बार पहले ही नगर निगम के अधिकारियों और मेयर को अवगत कराया गया था। साथ ही कांग्रेस के लोग नगर विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल से भी मिले, लेकिन कहीं भी सुध लेने को तैयार नहीं। आईएसबीटी में कभी प्रशासन, कभी पीडब्लूडी, कभी हाईवे के अधिकारी निरीक्षण का ड्रामा तो कर रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं। शहर की सड़कें पूरी तरह खुदी पड़ी हैं जबकि प्रशासन सिर्फ निरीक्षण तक सीमित है। ईसी रोड, रायपुर रोड सहित कई जगह बारिश में गाड़ियां सड़कों पर तैर रही हैं। जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।

लालचंद शर्मा ने कहा कि अभी तो बारिश की शुरूआत है। यदि सरकार जल्द नहीं चेती को बड़ी घटनाएं हो सकती हैं। इसलिए जल्द ही व्यवस्थाओं को चाकचौबंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन, जिला प्रशासन और सरकार गहरी नींद में सोए पड़े हैं। बार बार ध्यानाकर्षण के बावजूद भी उनके कान में जूं तक नहीं रेंग रही है। जल्द ठोस उपाय कर बरसात में लोगों की समस्या का निदान करना चाहिए। सबसे पहले नालियों और नदियों के पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

परिजनों से बिछड़े दो मासूमों को पुलिस ने किया पिता के सुपुर्द

संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल। श्री नीलकंठ पैदल मार्ग पर अपने परिजनों से दो मासूम बिछड गये। जिनको पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद उनके पिता को तलाश कर बच्चों को उनकों सौंप दिया।

श्री नीलकंठ पैदल यात्रा मार्ग में 09 जुलाई 2023 को एक नन्हा भोला आरव (उम्र 05 वर्ष) पुत्र विजयपाल, निवासी अलीपुर अटेरणा, जनपद मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश यात्रा के दौरान पुण्डरासू के समीप अपने परिजनों से बिछड़ गया था। जो भूखा प्यासा रो रहा था और उसे अत्यधिक नींद भी आ रही थी। पुण्डरासू चौक पर नियुक्त पुलिस कार्मिकों के द्वारा नन्हे भोले को खाना खिलाकर उसके सोने की व्यवस्था करायी गयी। ड्यूटीरत पुलिस कार्मिकों के द्वारा आस पास के

क्षेत्र में उक्त नन्हे भोले के परिजनों की काफी ढूंढ खोज की गयी।

करीब सवा दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नन्हे भोले के पिता विजयपाल पुत्र मांगेराम, निवासी- उत्तर प्रदेश को ढूंढकर पुण्डरासू चौक पर लाया गया। विजयपाल द्वारा बताया गया की उसका बड़ा बेटा हर्ष (उम्र 09 वर्ष) भी हमसे बिछड़ गया है। ड्यूटीरत पुलिस कार्मिकों को पीए सिस्टम के माध्यम से एनाउन्स करते हुये काफी तलाश करने पर श्री नीलकंठ स्थित हनुमानगढ़ी धर्मशाला के पास एक बालक अपने परिजनों को तलाश करता मिला, पूछने पर उसने अपना नाम हर्ष पुत्र विजयपाल निवासी- मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश बताया। तत्पश्चात पुलिस कार्मिकों द्वारा उसे पुण्डरासू चौक पर लाया गया। जहाँ पर पिता विजयपाल को उसके दोनों पुत्र आरव व हर्ष को उनके सुपुर्द किया गया। विजयपाल द्वारा अपने दोनों पुत्रों को पाकर पौड़ी पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुये धन्यवाद दिया गया।

प्रोजेक्ट-के बनी सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में लॉन्च होने वाली पहली भारतीय फिल्म

प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की पैन इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट के का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस फिल्म से जुड़ीं तमाम जानकारियों का आधिकारिक रूप से ऐलान नहीं हुआ है। अब खबर है कि प्रोजेक्ट के की घोषणा दुनियाभर के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में होगी और इससे भी बड़ी बात यह है कि इस कार्यक्रम में लॉन्च होने वाली यह भारत की पहली फिल्म बन गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्माता 19 जुलाई यानी कार्यक्रम के पहले दिन की रात को होने वाले जश्न में इस फिल्म की पेशकश करेंगे। अगले दिन यानी 2० जुलाई को फिल्म की टीम प्रोजेक्ट के: भारत की पौराणिक साइंस फिक्शन फिल्म की पहली झलक टाइटल के तहत अपनी इस फिल्म का नाम, टीजर, ट्रेलर और रिलीज तारीख का ऐलान करेगी। फिल्म के सितारे सैन डिएगो कॉमिक-कॉन के सबसे बड़े मंच पर होने वाले प्रदर्शन में भी शामिल होंगे।

2० जुलाई को पैनल पर होने वाली चर्चा में प्रभास, दीपिका, अमिताभ, कमल हासन और निर्देशक नाग अश्विन समेत पूरी टीम मौजूद रहेगी। इससे उत्साहित अश्विन बोले, भारत अब तक लिखी गई कुछ महानतम कहानियों और सुपरहीरोज का घर है। हमें लगता है कि हमारी फिल्म इसे सामने लाने और दुनिया के साथ साझा करने का एक प्रयास है। कॉमिक-कॉन हमें अपनी कहानी को दुनियाभर के दर्शकों के सामने पेश करने के लिए एक सबसे आदर्श मंच है।

अश्विन ने आगे कहा, भारतीय फिल्म उद्योग के सबसे पुराने प्रोडक्शन हाउस में से एक के रूप में हमें इस असाधारण यात्रा पर जाने पर बहुत गर्व है। हमारे देश के कुछ सबसे बड़े कलाकारों के साथ जुड़कर हम भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह उन सभी भारतीय दर्शकों के लिए गर्व का पल है, जो भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर देखना चाहते हैं। कॉमिक कॉन हमारे लिए वही वैश्विक मंच है।

अमिताभ ने ट्वीट किया, मेरे लिए गर्व का क्षण। मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि यह कितना महत्वपूर्ण और बड़ा है? अब मुझे पता है। पूरी टीम का उस प्यार के लिए शुक्रिया, जो इसने मुझे दिया और मुझे इस अविश्वसनीय अनुभव का हिस्सा बनाया।

कॉमिक-कॉन की शुरुआत 197० में हुई थी। इस 4 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 2००3 से हर साल जुलाई में सैन डिएगो के सैन डिएगो कन्वेंशन सेंटर में हो रहा है। अब तक के इतिहास में केवल 2 बार कोरोना के कारण यह कार्यक्रम रद्द हुआ है। इसका मकसद कलाकारों, लेखकों, रचनाकारों और प्रशंसकों को टीवी शो से लेकर फिल्मों और ऑनलाइन गेम्स से लेकर कॉमिक्स तक, हर चीज पर चर्चा करने के लिए एक ही छत के नीचे लाना है। प्रोजेक्ट के को अश्विन ने न सिर्फ निर्देशित किया है, बल्कि इसकी कहानी भी उन्हीं की कलम से निकली है। वैजयंती मूवीज की 5०वीं सालगिरह के मौके पर इस फिल्म की घोषणा हुई थी। यह फिल्म 6०० करोड़ रुपये के भारी बजट पर बनी है, जो इसे अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म बनाती है। दिशा पाटनी ने भी इसमें एक अहम भूमिका निभाई है। फिल्म के 12 जनवरी, 2०24 को रिलीज होने की खबरें हैं। (आरएनएस)

फिल्म सालार का टीजर रिलीज, प्रभास के धांसू अवतार ने उड़ाए होश

'केजीएफ' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की अपकमिंग फिल्म 'सालार' का टीजर जारी कर दिया गया है। प्रभास स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म की टीजर जारी होते ही ये छा गया है। फैंस को ट्रीट देते हुए एक्शन-थ्रिलर फिल्म का टीजर 6 जुलाई, गुरुवार को सुबह 5 बजकर 12 मिनट पर जारी किया गया है। 'सालार' का टीजर काफी धांसू लग रहा है। रिलीज होने के कुछ ही घंटे में ये वायरल हो गया है। टीजर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है।

टीजर शुरू होते ही स्क्रीन पर एक टीनू आनंद गाड़ी पर बैठा हुआ नजर आते है। बंदूकों से लैस कई लोग उन्हें टारगेट बनाते हुए नजर आते हैं। इसके बाद गाड़ी पर बैठे हुए टीनू आनंद कहते है नो कंफ्यूजन आई एम चीता, टाइगर, एलिफेंट।।वेरी डेंजरस, बट नॉट इन जुरासिक पार्क, क्योंकि उस पार्क में।।। ये कहकर वे चुप हो जाते हैं। इसके बाद प्रभास की दमदार एंट्री होती है जो हाथ में चाकू और राइफल लिए दुश्मनों पर कहकर बनकर टूटते हैं। प्रभास का ये खूंखार रूप देखकर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। टीजर में पृथ्वीराज सुकुमारन की झलक से ऐसा लग रहा है कि वे फिल्म में विलेन की भूमिका निभा रहे हैं। सालार के टीजर ने केजीएफ की याद ताजा कर दी हैं।

ओवरऑल टीजर में मिले एक्शन की झलक ने लोगों के होश उड़ा दिए हैं। रिलीज होने के आधे घंटे के भीतर इसे ढाई लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे। वहीं टीजर से ये अंदाजा तो हो गया है कि 'सालार' फुल ऑन जबरदस्त एक्शन वाली फिल्म होगी। वहीं फिल्म में तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक, प्रभास के अलावा श्रुति हासन, पृथ्वीराज सुकुमारन, जगपति बाबू, ईश्वरी राव और श्रिया रेड्डी भी अहम रोल प्ले कर रहे हैं।

प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'सालार पार्ट 1: सीजफायर' की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है। ये फिल्म 28 सितंबर 2०23 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, तमिल और हिंदी सहित 5 भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रभास की लास्ट रिलीज फिल्म आदिपुरुष बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी थी ऐसे में 'सालार' से हर किसी को बड़ी उम्मीदें हैं। (आरएनएस)

हृदय रोगों से बचने के लिए करें 'केल' का सेवन

डॉक्टर्स अक्सर हमें हरी सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। यह न केवल हरी सब्जियां ही होती हैं बल्कि इनमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को कई रोगों से बचाने का काम करते हैं। इसलिए इनका नियमित रूप से सेवन भी आपके लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इन्हीं सब्जियों में से एक खास सब्जी का नाम केल है। यह आमतौर पर पालक की तरह ही दिखती है लेकिन यह पालक से बिल्कुल अलग है।

इसका नियमित सेवन करने से आप कई प्रकार की बीमारी से बचे रहेंगे और

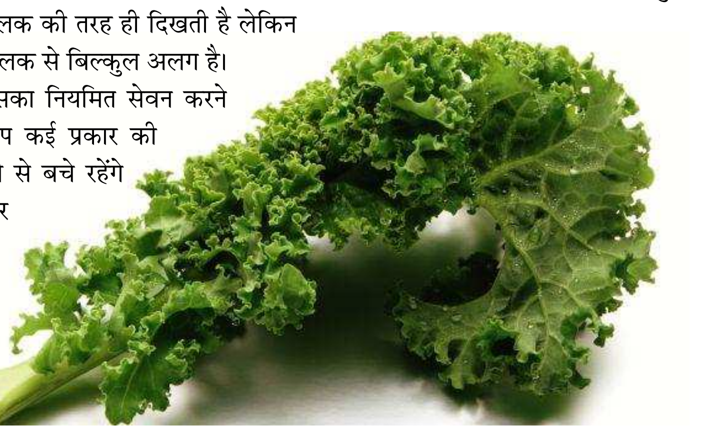

आपके स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। इसके सेवन से जुड़ी कुछ स्वास्थ्य समस्या के बारे में आपको यहां नीचे बताया जा रहा है।

हृदय रोगों से बचाए रखने में

आज भारत में करोड़ों ऐसे लोग हैं जो हृदय से जुड़ी हुई किसी न किसी बीमारी से ग्रसित हैं। इतना ही नहीं, हर साल हजारों लोगों की जान केवल हृदय रोगों के कारण ही जाती है। इसलिए अपने दिल का खास ख्याल रखने के लिए आप केल को अपने भोजन में जरूर शामिल करें। इसमें कार्डियोप्रोटेक्टिव गुण पाए जाने के साथ-साथ हृदय को जरूरी पोषक तत्वों की पूर्ति करने का भी गुण मौजूद हैं। इसलिए हृदय रोगों से बचने के अलावा जो लोग हृदय रोग से पीड़ित हैं, उन्हें इसका सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

कभी नहीं होगी खून की कमी

जिन लोगों के शरीर में अक्सर थकान महसूस होती है, ऐसे लोगों के शरीर में खून की कमी भी हो सकती है, क्योंकि यह खून की कमी का सबसे आम लक्षण माना जाता है। इस समस्या से बचे रहने के लिए केल बहुत फायदेमंद साबित होगी, क्योंकि इसमें कई सारे रेड मीट की तुलना में पर्याप्त मात्रा में आयरन पाया जाता है जो खून के निर्माण में बहुत उपयोगी होता है। इसलिए आयरन की भरपूर और आवश्यक पूर्ति के लिए इसका सेवन किया जा सकता है।

कैंसर से बचाने में

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसकी चपेट में आने वाला हर इंसान बहुत मुश्किल से ही अपनी जिंदगी बचा पाता है। यह इलाज की एक लंबी प्रक्रिया होती है जिसमें शरीर की सभी कोशिकाएं बुरी तरह से कमजोर हो जाती हैं और व्यक्ति को अन्य बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। केल में एंटी कैंसर गुण मौजूद होता है। इस कारण से इसका सेवन करने से कैंसर के जोखिम को उत्पन्न करने वाली कैंसर सेल्स को खत्म करने का सक्रिय प्रभाव पाया जाता है, जिसके कारण आप कैंसर की चपेट में आने से बचे रहेंगे।

हाई ब्लड प्रेशर से बचे रहने में

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचे रहने के लिए भी केल काफी लाभदायक साबित होगी, क्योंकि इसमें पोटेशियम की मात्रा पाई जाती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी के अनुसार, केल में मौजूद पोटेशियम की मात्रा हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करने के साथ-साथ ब्लड प्रेशर में सामान्य रूप से संतुलन बनाए रखने का कार्य कर सकती है। इसलिए जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है वह लोग इसका सेवन इसका फायदा देख सकते हैं।

बोन हेल्थ के लिए

हड्डियों से जुड़ी हुई किसी भी प्रकार की बीमारी से बचे रहने के लिए केल का सेवन बहुत जरूरी माना जाता है। यही वजह है कि मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले लोग और जिम एक्सरसाइज करने के बाद इसे पीने की सलाह भी दी जाती है। इसका कारण यह है कि इसमें कैल्शियम की भरपूर मात्रा मौजूद है जो हड्डियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी पोषक तत्व है। इसलिए हड्डियों के उत्तम स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आप भी इसका सेवन नियमित रूप से कर सकते हैं।

विटामिन सी का भंडार

वैज्ञानिकों के द्वारा किए गए रिसर्च में इस बात की पुष्टि की गई है कि पालक की अपेक्षा केल में विटामिन सी की मात्रा बहुत ज्यादा पाई जाती है। यह विटामिन आपके शरीर की त्वचा को निखारने के साथ-साथ आपके चेहरे को भी सुंदरता प्रदान करने के काम आती है। इतना ही नहीं, रात को सोने से पहले अगर सब्जी के रूप में आप इसका सेवन करते हैं तो यह आपको बढ़िया नींद दिलाने में भी काफी मदद प्रदान करेगी, क्योंकि इसमें स्लीपिंग हार्मोन को सक्रिय करने का गुण भी पाया जाता है।

नसों की सूजन कम करने में

कई बार एथलीट या घर में किसी सदस्य को अक्सर नसों में खिंचाव हो जाता है और मांसपेशियों में या फिर नसों में आंतरिक रूप से सूजन आ जाती है। कभी-कभी यह स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि व्यक्ति बेड से उठ भी नहीं पाता है। ऐसे में केल का सेवन करने से इस समस्या से बचने में मदद मिलेगी, क्योंकि केल में एंटीइन्फ्लेमेटरी गुण पाया जाता है जो नसों की सूजन कम करने के साथ-साथ मांसपेशियों में होने वाली सूजन को भी कम करने में काफी मदद करता है।

आंखों के देखने की क्षमता बढ़ाए

आपको यह सुनकर हैरानी होगी, लेकिन विटामिन ए की पर्याप्त मौजूदगी के कारण यह आंखों के स्वास्थ्य के लिए भी एक औषधि के रूप में यह सकारात्मक लाभ पहुंचा सकती है।

बच्चों को टाइफाइड से बचायें

टाइफ़ाइड जिसे मियादी बुखार भी कहा जाता है, जो एक निश्चित समय के लिए होता है यह किसी संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से दूषित वायु और जल से होता हैद्य टाइफ़ाइड से पीड़ित बच्चे में प्रतिदिन बुखार होता है, जो हर दिन कम होने की बजाय बढ़ता रहता है। बच्चो में टाइफ़ाइड बुखार संक्रमित खाद्य पदार्थ और संक्रमित पानी से होता है द्य

संक्रामक रोग टाइफाइड

बारिश के मौसम में संक्रामक रोगों की संख्या अत्यधिक तेजी से बढ़ती है क्योंकि हर ओर नमी रहती है, जिसके कारण मच्छर आदि की संख्या बढ़ जाती है, और रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है।

टाइफ़ाइड जिसे मियादी बुखार के नाम से भी जाना जाता है, एक संक्रामक बीमारी है जो की लिवर से सम्बंधित है। हर साल तक़रीबन 2 लाख से ज्यादा लोग टाइफ़ाइड की बीमारी के कारण जान गवाते है टाइफ़ाइड की बीमारी मैं लिवर ठीक तरह से काम नही करता जिसकी वजह से शरीर में बुखार हो जाता है और पुरे शरीर में दर्द होने लगता है। अगर सही समय पर ध्यान

ने दिया जाये तो टाइफ़ाइड जानलेवा भी हो सकता है। समय के अंदर इसका इलाज ने किया जाये तो बच्चे की जान तक जा सकती है।

बच्चों में टाइफ़ाइड के लक्षण

टाइफ़ाइड के लक्षणों को जानना बहुत जरुरी है क्यूंकि समय रहते टाइफ़ाइड के लक्षणों को पहचान लिए जाये तो समय से टाइफ़ाइड से ग्रसित बच्चे का उचित इलाज किया जा सकता है।

टाइफ़ाइड से पीड़ित बच्चे में प्रतिदिन बुखार होता है, जो हर दिन कम होने की बजाय बढ़ता रहता है।

अत्यधिक कमज़ोरी और थकान महसूस होना।

सिर में दर्द होना।

पेट में दर्द और भूख न लगना।

छाती पर गुलाबी निशान होना।

दस्त आना।

लिवर का बढ़ जाना।

पेट में अल्सर की संभावना।

कभी - कभी रोगी बच्चे को चपटे चकत्ते भी पड़ जाते हैं।

सूखी खाँसी आना। जीभ पर मोटी परत जम जाना। इन लक्षणों के नजर आने के बाद देर नहीं करनी चाहिए। चिकित्सक को दिखाएं और इलाज करवाना आवश्यक हो जाता है, ताकि बच्चा स्वस्थ हो सके।

राजनीतिक परिवार की कलह

संपत्ति बंटवारे या समान व्यवहार ना होने की शिकायत पर परिवारों में कलह आम बात है। जो परिवार राजनीति में हैं, उनका इससे हमेशा बचे रहना लगभग असंभव है। लेकिन हैरतअंगेज यह है कि फिर भी लोग कलह की ऐसी कहानियों से ऊबते नहीं हैं।

कहानी पुरानी है, लेकिन सार वही है। 1980-81 में इंदिरा गांधी के परिवार से मेनका गांधी की बगावत से लेकर शरद पवार के परिवार में कलह के बीच ऐसे इतने नाम हैं कि इन पर पूरी किताब लिखी जा सकती है। इसमें करुणानिधि, एमजी रामचंद्रन, एनटी रामाराव, वाईएस राजशेखर रेड्डी, बाल ठाकरे, लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव आदि तक के नाम आते हैं। वे राजनीतिक परिवार हैं, जो कभी ना कभी अंदरूनी कलह का शिकार हुए। वैसे तो भारतीय राजनीति में परिवारों के दबदबे की कहानी पूरे देश में फैली हुई है। संपत्ति बंटवारे या समान व्यवहार ना होने की शिकायत पर आम परिवारों में कलह आम बात है। जो परिवार राजनीति में हैं, उनका इससे हमेशा बचे रहना लगभग असंभव है। लेकिन हैरतअंगेज यह है कि ऐसी कलह की कहानियां चारों तरफ फैले रहने के बावजूद लोग इनसे ऊबते नहीं हैं। कलह में जिसकी जीत हो जाती है, पार्टी कार्यकर्ता और मतदाता उसे उस परिवार का वारिस मान कर उसके पीछे चल देते हैं। इसे लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा मान लिया गया है। यह सवाल नहीं पूछा जाता कि किसी नेता ने अपनी पार्टी को अपने परिजनों और रिश्तेदारों से इस तरह क्यों भरा, जिससे उसकी परिवारिक कलह राजनीति के दायरे तक फैल जाए? लेकिन अब इस और ऐसे सवालों पर व्यापक चर्चा की जरूरत है। यह तो साफ है कि पवार परिवार में जो हो रहा है और अतीत में अन्य राजनीतिक परिवारों में जो इस तरह की घटनाएं हुई हैं, वे किसी रूप में 'लोकतंत्र' नहीं हैं। इसलिए कि ऐसे घटनाक्रमों में ना तो लोक के लिए कोई स्थान होता है और ना ही इनका लोक कल्याण से कोई संबंध है। ऐसे नाटक असल में लोकतंत्र का परिहास है। जब तक ऐसे परिहासों को लोकतंत्र समझा जाता रहेगा, तब तक व्यक्ति और परिवार केंद्रित ऐसी सियासत प्रचलन में रहेगी, जिस पर धनी और प्रभुत्वशाली तबकों का शिकंजा रहेगा। आखिर ऐसे तबके ही पारिवारिक कलह में विजयी नेता को चुनावी संसाधन उपलब्ध करवाते हैं और उनका मीडिया उनकी मसीहाई छवि बनाता है। पवार परिवार की कलह का भी यही निहितार्थ है।(आरएनएस)

दुश्चक्र में फंसा फ्रांस

राजनीति से जब रोजी-रोटी समेत रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े अन्य मुद्दों को गायब किया जाता है, तो उसका क्या नतीजा होता है, फिलहाल फ्रांस उसका एक खास उदाहरण बना हुआ है।

फ्रांस लंबे समय तक अपनी जन-कल्याणकारी व्यवस्था और आधुनिक लिबरल उसूलों के लिए जाना जाता रहा। लेकिन कुछ समय पहले वहां के राजनीतिक विमर्श में सांप्रदायिक और नस्लवादी मुद्दों को महत्त्व देने की जो होड़ लगी, उसने वहां के समाज की हालत तीसरी दुनिया के किसी देश की तरह बना दी है। पेरिस के एक उपनगर में 17 साल के लड़के की पुलिस की गोली से हुई मौत के बाद जैसी हिंसा और अफरातफरी का शिकार फ्रांस हुआ है, उस बारे में कभी सोचना भी मुश्किल था। राजनीति से जब रोजी-रोटी समेत रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े अन्य मुद्दों को गायब किया जाता है, तो उसका क्या नतीजा होता है, फिलहाल फ्रांस उसका एक खास उदाहरण बना हुआ है। यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पिछले लगभग दो दशक से फ्रांस की राजनीति धुर दक्षिणपंथ बनाम उदारवाद की बहस में सिमटी रही है। पूर्व राष्ट्रपति यॉक शिराक के जमाने से धुर दक्षिणपंथ को रोकने के लिए कंजरवेटिव, उदारवादी और यहां तक कि वामपंथी ताकतें एक मंच पर एकजुट होती रही हैं।

इस दौरान सारी बहस नस्ल, इस्लामोफोबिया, आव्रजन और एलजीबीटीक्यू अधिकार जैसे मसलों पर सिकुड़ती चली गई है। ऐसे मुद्दों पर बहस भावनात्मक रूप लेती है और फिर ध्रुवीकरण और प्रति-ध्रुवीकरण का ऐसा दौर चलता है, जो समाज को एक दुश्चक्र में फंसा देता है। फ्रांस स्पष्टत: ऐसे दुश्चक्र में फंस गया है। अभी कुछ समय पहले फ्रांस की सड़कों पर पेंशन नियम बदलने के लिए बनाए गए कानून को लेकर अफरातफरी मची थी। उसके पहले ईंधन की कीमत बढ़ने से परेशान लोगों के येलो वेस्ट मूवमेंट का नजारा था। बीच-बीच में आतंकवाद का साया भी देश पर पड़ता रहा। जवाब में पुलिस और सुरक्षा बल अधिक बेरहम होते गए। फिलहाल, एक नौजवान की पुलिसकर्मियों के हाथों हत्या वह तिली बनी, जिसने सुलगते माहौल को लपटों में तब्दील कर दिया। 2017 के एक कानून के तहत फ्रांस में प्रावधान किया गया था कि अगर पुलिस किसी गाड़ी को रोकना चाहा, लेकिन ड्राइवर नहीं रुका, तो पुलिस गोली चला सकती है। तो पुलिस ने बेखौफ होकर गोली चलाई, जिससे अब पूरा समाज खौफ में पहुंच गया है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

पलकों को लंबा और घना बनाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

मस्कारे का उपयोग पलकों को लंबा और घना दिखाने में मदद कर सकता है, लेकिन यह अस्थायी तरीका है और इस उत्पाद में मौजूद रसायन पलकों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसे में आप मस्कारे जैसे उत्पादों की जगह घरेलू नुस्खों की मदद से अपनी पलकों को जल्द ही प्राकृतिक तरीके से लंबा और घना कर सकते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि खूबसूरत पलकों के लिए आप किन-किन सामग्रियों का उपयोग कर सकते हैं।

नींबू के तेल का करें उपयोग

नींबू का तेल पलकों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए 1-2 नींबू के छिलकों को एक छोटे जार में रखें और इसमें थोड़ा जैतून या नारियल का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को रातभर के लिए छोड़ दें। अब इस मिश्रण में एक रूई डुबोकर इसे अपनी ऊपरी और निचली पलकों पर लगाएं। इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर आंखों को धो लें। आप ऐसा रोजाना 1-2 बार कर सकते हैं।

नारियल का तेल आएगा काम

आवश्यक विटामिन और खनिजों से भरपूर नारियल का तेल पलकों को तेजी से बढ़ाने के लिए एक बढ़िया विकल्प है। यह पलकों को पतला होने और झड़ने से रोकने में भी सहायक है। लाभ के लिए रूई से अपनी पलकों पर नारियल का तेल लगाएं और 3 से 4 घंटे के बाद अपनी आंखों को पानी से साफ करें। अच्छे परिणामों के लिए इसका उपयोग प्रतिदिन करें।

शिया बटर है प्रभावी

शिया बटर में भरपूर मात्रा में विटामिन-ए और विटामिन- ई होता है, जो पलकों की देखभाल के साथ-साथ उनको खूबसूरत बनाने में भी मदद कर सकता है। लाभ के लिए अपनी उंगलियों पर थोड़ा-सा शिया बटर लेकर अच्छी तरह रगड़कर पिघला लें, फिर इसे अपनी पलकों पर लगाएं। इसे रातभर पलकों पर लगाकर छोड़ दें और सुबह पानी से चेहरा धो लें। बेहतर परिणाम के लिए नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें।

जैतून का तेल करेगा मदद

जैतून के तेल में ओलेयूरोपिन नामक एक फेनोलिक यौगिक होता है, जो कई अध्ययनों में बालों के विकास में प्रभावी पाया गया हैं। यह पलकों को लंबा करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए रूई पर जैतून के तेल की कुछ बूंदें डालें और इसे अपनी ऊपरी और निचली पलकों पर लगाएं। अब लैश ब्रश का उपयोग करके अपनी पलकों की धीरे-धीरे मालिश करें, फिर 5-10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

पैट्रोलियम जेली को लगाएं

नियमित रूप से पैट्रोलियम जेली का उपयोग करने से पलकें मजबूत और घनी हो सकती हैं। इतना ही नहीं, आप इसका उपयोग अपने पूरे चेहरे पर भी कर सकते हैं क्योंकि यह त्वचा को भी मुलायम बनाती है। लाभ के लिए सोने से पहले सावधानीपूर्वक अपनी पलकों पर ईयर बड की मदद से पैट्रोलियम जेली लगाकर सो जाएं, फिर सुबह उठकर चेहरे को धो लें। नियमित रूप से ऐसा करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -071

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

फैमिली के साथ बोल्ड सीन नहीं देख पातीं तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा की 'लस्ट स्टोरीज 2' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इस सीरीज में विजय और तमन्ना के बोल्ड सीन्स को लेकर काफी चर्चा थी। जिसमें एक्ट्रेस ने पहली बार स्क्रीन पर किसिंग सीन किए। ऐसे में तमन्ना ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि फैमिली के साथ सेक्स सीन देखने पर उनका कैसा रिएक्शन होता है। हाल ही में दिए इंटरव्यू में तमन्ना भाटिया ने बताया कि, लस्ट स्टोरीज 2 में 18 साल बाद किसिंग पॉलिसी तोड़ने में लिए एक बड़ी चुनौती थी।

मैं भी उसी ऑडियंस का हिस्सा थी, जो फैमिली के साथ ऐसे सीन्स को देखकर असहज महसूस करते हैं। मैं भी परिवार संग ऐसे सीन देखने के दौरान इधर-उधर देखना शुरू कर देती हूं। यही वजह रही कि मैंने अपने करियर में कभी इंटीमेट सीन्स नहीं किए। तमन्ना भाटिया ने आगे कहा कि, मेरे लिए ये जर्नी आसान नहीं थी। एक ऐसी एक्ट्रेस जिसके लिए ये सब करना काफी मुश्किल था।

अब मैं खुद को एक्सप्लोर कर रही हूं और अलग-अलग तरह के किरदारों की तलाक में हूं। बता दें कि हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तमन्ना भाटिया ने कहा था कि लस्ट स्टोरीज 2 में उन्होंने अपना 18 पुराना किसिंग रूल तोड़ा है। इस सीरीज में एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड विजय वर्मा के साथ कुछ बोल्ड सीन्स किए हैं।

29 जून को लस्ट स्टोरीज 2 ओटीटी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज में 4 अलग-अलग कहानियां हैं। वहीं किरदारों की बात करें तो विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया के अलावा काजोल, कुमुद मिश्रा, मृणाल ठाकुर, नीना गुप्ता समेत कई बड़े एक्टर्स लीड रोल में नजर आए। फिलहाल इस सीरीज को फैंस की तरफ से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही कार्तिक-कियारा की फिल्म

कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म सत्यप्रेम की कथा 29 जून को ही सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है और ऑडियंस की तरफ से पॉजीटिव रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। कार्तिक-कियारा की फिल्म ने अपनी रिलीज के दो दिनों के अंदर ही शानदार कमाई की है।

कार्तिक और कियारा की फिल्म के लिए ये एक अच्छी शुरुआत थी। वहीं दूसरे दिन की बात करें तो वर्किंग डेज में आमतौर पर ऑडियंस काम रहती है। रिलीज का तीसरा वीकेंड था जो कि फिल्म के लिए अच्छा साबित हुआ और सुबह-सुबह ही फिल्म को 20 प्रतिशत का उछाल मिला।

बता दें कि सत्यप्रेम की कथा कार्तिक आर्यन की इस साल की दूसरी फिल्म है। इससे पहले वे कृति सेनन के साथ शहजादा में दिखाई दिए थे। वहीं कियारा आडवाणी के साथ वे दूसरी बार बड़े पर्दे पर धमाल मचा रहे हैं। इससे पहले भूल-भूलैया 2 में दोनों को साथ देखा गया था। वहीं कियारा के लिए फिल्म ज्यादा मायने रखती है क्योंकि ये इस साल की उनकी पहली फिल्म है।

सुष्मिता सेन की सीरीज ताली का शानदार मोशन पोस्टर आउट

सुष्मिता सेन अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताली को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। वे बहुत जल्द ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता गौरी सावंत का किरदार निभाती नजर आएंगी। दरअसल सुष्मिता ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताली का मोशन पोस्टर शेयर किया है जिसमें उनका एक अलग और हटकर अवतार देखने को मिला है।

सुष्मिता स्टारर उनकी ये वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज की जाएगी। पोस्टर में सुष्मिता माथे पर बड़ी लाल बिंदी लगाए दिख रही हैं। इस ट्रेलर में वे कहती सुनी जा सकती हैं, तू मुश्किल दे भगवान मैं आसान करूं, तू दे दे तपती रेत, मैं गुलिस्ता करूं, तू लाख गिरा दे बिजली मुझपे, मैं तो सतरंग बनूं।।मैं ताली बजाती नहीं, बजवाती हूं।

ताली का मोशन पोस्टर देखते ही फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ गई है। लोग सुष्मिता को इस अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट किया- इस मास्टरपीस के लिए इंतजार नहीं कर सकता, लेडी बॉस। एक और फैन ने लिखा- यह थिएटर टैलेंट को रॉक करने वाला है, परफॉर्मेंस में खूबसूरती के साथ बिना किसी गलती के एक्टिंग के टैलेंट का मैच है।

बता दें कि ताली गौरी सावंत की कहानी है, जिनका जन्म गणेश के तौर पर हुआ था। गौरी साल 2013 में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) मामले में दायर की गई याचिका के याचिकाकर्ताओं में से एक थी। इनका इस पूरे मामले में अहम रोल था। इस याचिका पर साल 2014 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था, जिसमें ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को तीसरे लिंग के रूप में मान्यता दी गई थी।

सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज ताली को रवि जाधव ने डायरेक्ट किया है। बता दें कि आर्या और आर्या 2 की कामयाबी के बाद उन्होंने आर्या 3 की शूटिंग भी हाल ही में पूरी की थी। उनकी ये सीरीज भी बहुत जल्द ओटीटी पर धमाल मचा सकती है।

सूर्या कर्ण से करेंगे बॉलीवुड में डेब्यू!

तमिल सिनेमा के मशहूर अभिनेताओं में से सूर्या अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। अभिनेता को 2020 में आई फिल्म सोरारई पोटरु के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। इन दिनों सूर्या अपनी फिल्म कंगुवा की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं तो अब खबर आ रही है कि अभिनेता बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। अभिनेता की निर्देशक राकेश ओमप्रकाश मेहरा से कर्ण के लिए बातचीत चल रही है।

सूत्र से मिली जानकारी के मुताबिक, सूर्या और मेहरा बीते कुछ समय से कर्ण के लिए बातचीत कर रहे हैं। दोनों की बातचीत सही दिशा में भी आगे बढ़ रही है। ऐसे में सूर्या मेहरा के इस दो भाग वाले महाकाव्य का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। सूत्र के अनुसार, यह फिल्म महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसमें सूर्या अपने करियर के सबसे जटिल किरदारों में से एक कर्ण की भूमिका निभाएंगे।

सूत्र ने कहा, यह मेहरा का ड्रीम प्रोजेक्ट है और वह काफी समय से इस पर काम कर रहे हैं। निर्देशक और निर्माताओं का मानना है कि फिल्म भारत में बदलाव लाने की क्षमता रखती है क्योंकि आज तक किसी ने इतने जटिल नायक पर फिल्म नहीं बनाई है। सूत्र ने कहा, कर्ण के किरदार के लिए ऐसे अभिनेता की तलाश थी, जो एक से दूसरे क्षेत्र में आसानी से ढल जाए और सूर्या से बेहतर कौन हो सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्ण पैन इंडिया फिल्म होगी, जिसे कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा और इसके 2024 में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। सूत्र के अनुसार, मेहरा ने फिल्म के लिए खाका पहले ही तैयार कर रखा है और अब इसे सही से अमल में लाने की देरी है। सूत्र ने कहा, मेहरा के साथ सूर्या कई बैठक कर चुके हैं और उनका मानना है कि कर्ण उनके लिए बॉलीवुड में शुरुआत करने के लिए सही साबित होगी।

सूर्या के अलावा साउथ के कई सितारे बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं तो कुछ ने बीते साल ही हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। गुडबाय से रश्मिका मंदाना, लाइगर से विजय देवरकोंडा और लाल सिंह चड्ढा से नागा चैतन्य पिछले साल डेब्यू कर चुके हैं तो अब नयनतारा जवान में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा जूनियर एनटीआर के वॉर 2 में और अल्लू अर्जुन के इम्मॉर्टल अश्वत्थामा का हिस्सा बनने की खबरें आ रही हैं। सूर्या की शिव द्वारा निर्देशित पैन इंडिया फिल्म कंगुवा एक्शन से भरपूर है, जो 2024 में आएगी। इसके बाद अभिनेता सुधा कोंगारा की अगली फिल्म में नजर आएंगे। इन दोनों फिल्म के पूरा होने के बाद ही वह कर्ण की शूटिंग शुरू करेंगे।

रसिका दुग्गल ने कराया नया हेयर कट

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने अपकमिंग सीरीज में अपने किरदार के लिए नया हेयरस्टाइल करवाया, जिसकी वह वर्तमान में शूटिंग कर रही हैं।

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने अपकमिंग सीरीज में अपने किरदार के लिए नया हेयरस्टाइल करवाया, जिसकी वह वर्तमान में शूटिंग कर रही हैं।

रसिका ने अपने इस नए लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया। छोटे बाल और

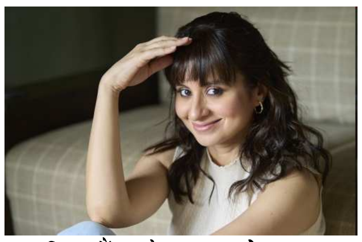

स्टाइलिश बैंग्स के साथ एक्ट्रेस का लुक काफी अच्छा लग रहा है।

उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा: फ्रिंज बेनिफिट्स, हैशटैग न्यू वर्क, हैशटैग न्यू लुक

हालांकि, उन्होंने इस बारे में डिटेल्स शेयर नहीं की, कि उनका किरदार क्या है या वह किस सीरीज की शूटिंग कर रही है।

रसिका के पास अमेजन प्राइम के लिए सुपरनेचुअलर थ्रिलर अधूरा', स्पाइक: स्पोर्ट्स ड्रामा', लॉर्ड कर्जन की हवेली: ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर', फेयरी फोक: इम्प्रोव कॉमेडी' और लिटिल थॉमस:ड्रामेडी' जैसे प्रोजेक्ट्स कतार में है।

11 भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म हनुमान

तेलुगु फिल्म हनुमान का टीजर करीब 6 महीने पहले आया था। हनुमान से प्रेरित इस फिल्म की रिलीज तारीख का दर्शक इंतजार कर रहे थे। शनिवार को फिल्म की रिलीज तारीख की घोषणा कर दी है। घोषणा होते ही इसकी चर्चा सोशल मीडिया पर छा गई। खासकर, बीते दिनों फिल्म आदिपुरुष में हनुमान के चित्रण की आलोचना होने के बाद, इस खबर ने सबका ध्यान खींचा। निर्माताओं ने मुख्य कलाकार तेजा सज्जा के एक पोस्टर के साथ रिलीज डेट बताई।

हनुमान अगले साल मकर सक्रांति के मौके पर दर्शकों के बीच आएगी। यह 12 जनवरी, 2024 को रिलीज होगी। हनुमान के किरदार और पौराणिक कहानियों से प्रेरित यह एक सुपरहीरो फिल्म है। फिल्म हनुमान नाम के एक काल्पनिक किरदार की कहानी है। इसकी पृष्ठभूमि अंजनाद्री नाम के गांव पर आधारित है। फिल्म 11 भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ निर्देशक प्रशांत वर्मा अपने सिनेमैटिक यूनिवर्स की शुरुआत कर रहे हैं।

फिल्म में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ अमृता अय्यर सक्रीन साझा करती नजर आएंगी। इनके अलावा

वारा लक्ष्मी शरत कुमार, राज दीपक शेट्टी, विनय राय भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म वीएफएक्स से भरपूर होगी। इसका नमूना 6 महीने पहले आए फिल्म के टीजर में देखने को मिला था। पहले यह फिल्म इस साल के मध्य में रिलीज होने वाली थी, लेकिन वीएफएक्स के काम को और समय देने के लिए इसे आगे बढ़ाया गया था।

बता दें पहले प्रभास की फिल्म प्रोजेक्ट के भी अगले साल जनवरी में रिलीज होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया है। प्रोजेक्ट के भी पौराणिक कहानी से प्रेरित साइंस फिक्शन फिल्म है। इसमें प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे कलाकार नजर आएंगे। वीएफएक्स से भरपूर इस फिल्म को भारत की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है।

बीते दिनों आई फिल्म आदिपुरुष के चर्चा में होने के बाद से पौराणिक कहानियों पर आधारित फिल्में दर्शकों का खास ध्यान खींच रही हैं। आदिपुरुष रामायण पर बनी थी, जिसकी किरदारों के चित्रण के लिए उसकी खूब आलोचना हुई। इन दिनों नितेश तिवारी की रामायण चर्चा में है। फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की कास्टिंग की चर्चा है। इसके अलावा अलौकिक देसाई की सीता: द इनकार्नेशन में कंगना रनौत सीता की भूमिका निभाएंगी।

रिजर्व बैंक की ऐसी मेहरबानी क्यों?

अजीत द्विवेदी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 29 मार्च 2023 को एक प्रेस कांफ्रेंस में पूछे गए सवाल के जवाब में बताया था कि पिछले पांच साल में यानी 2017 से 2022 के बीच भारत के सरकारी बैंकों ने 7.34 लाख करोड़ रुपए की राशि बट्टे खाते में डाली है यानी राइट ऑफ किया है। इसमें से सिर्फ 14 फीसदी यानी 1.03 लाख करोड़ रुपए की राशि की वसूली हो पाई है और 6.31 लाख करोड़ रुपए की राशि अब भी फंसी हुई है। बैंक द्वारा अपने किसी कर्ज को बट्टे खाते में डालने का मतलब होता है कि इसे भूल जाएं, इसकी वसूली मुश्किल है।

वित्त मंत्री ने बताया नहीं लेकिन कई दूसरे स्रोत से आई खबरों से पता चलता है कि बट्टे खाते में डाली गई ज्यादातर रकम बड़ी कंपनियों और बड़े कारोबारियों की है। किसानों, छोटे कारोबारियों, एमएसएमई सेक्टर के कारोबारियों आदि के कर्ज की रकम आमतौर पर बट्टे खाते में नहीं डाली जाती है। अगर इनको कर्ज से राहत देनी होती है तो बड़े गाजे-बाजे के साथ उसका ऐलान होता है और राजनीतिक लाभ लिया जाता है।

सरकारी बैंकों की इतनी बड़ी रकम राइट ऑफ करने के बावजूद अब भी 12 सरकारी बैंकों की 4.58 लाख करोड़ रुपए की रकम एनपीए है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने एक नया सरकुलर जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि बैंक विलफुल डिफॉल्टर्स यानी जान-बूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों के साथ भी समझौता कर सकते हैं। ऐसा व्यक्ति, जिसने किसी बैंक से कर्ज लिया है और कर्ज चुकाने की स्थिति में होने के बावजूद कर्ज नहीं चुकाए उसे विलफुल डिफॉल्टर कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति या ऐसी किसी ईकाई से बैंकों को क्यों समझौता वार्ता करनी चाहिए? अगर वह व्यक्ति या ईकाई दिवालिया नहीं हुए हैं और कर्ज लौटाने की स्थिति में हैं तो उनसे पूरे कर्ज की वसूली करने की बजाय उनसे समझौता करने या कम पैसे की वसूली का क्या तर्क हो सकता है, सिवाए इसके कि भारत का केंद्रीय बैंक उनके ऊपर मेहरबानी दिखाना चाह रहा है?

सोचें, एक तरफ किसानों के कर्ज नहीं चुका पाने की वजह से उनकी जमीनों की कुर्की हो रही है और दूसरी ओर कर्ज चुकाने में सक्षम लोगों के साथ समझौता करने का नियम बन रहा है? पिछले दिनों राजस्थान सरकार ने विधानसभा में बताया कि कर्ज नहीं चुका पाने की वजह से पिछले चार साल में 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीन की कुर्की हुई है। उससे थोड़े दिन पहले अप्रैल में मध्य प्रदेश के खरगौन से एक खबर आई थी, जिसमें बताया गया था कि एक किसान ने अपनी छह एकड़ जमीन के ऊपर नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक से कर्ज लिया था। एक लाख 63 हजार रुपए के कर्ज में से उसने डेढ़ लाख रुपए लौटा दिए थे लेकिन सिर्फ 13 हजार रुपए के लिए बैंक कर्मचारी उस किसान की जमीन की कुर्की करने पहुंचे। हैरान करने वाली बात यह थी कि बैंक कर्मचारी बैंड बाजे के साथ उस किसान के घर गए और जबरदस्ती उससे जमीन के कागज पर अंगूठा लगवाया। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने इस घटना पर विरोध दर्ज कराया था। कुछ दिन पहले ही झारखंड में एक किसान से कर्ज वसूली करने पहुंचे एक वित्तीय संस्था के कर्मचारियों की ज्यादती की वजह से किसान की गर्भवती बेटी की मौत हो गई थी। एक तरफ छोटे किसानों के साथ बैंकों का ऐसा बरताव है और दूसरी ओर भारत का केंद्रीय बैंक विलफुल डिफॉल्टर्स के ऊपर मेहरबानी दिखा रहा है! रिजर्व बैंक का सरकुलर हैरान करने वाला है लेकिन उससे भी ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि पिछले दो साल में विलफुल डिफॉल्टर्स की संख्या में 41 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। क्या विलफुल डिफॉल्टर्स को अंदाजा था कि देश का केंद्रीय बैंक उन पर मेहरबानी दिखा सकता है? भारत में कुल विलफुल डिफॉल्टर्स की संख्या बढ़ कर 16 हजार से ज्यादा हो गई है, जिनके ऊपर तीन लाख 46 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बकाया है। रिजर्व बैंक के सरकुलर के मुताबिक भारत के सरकारी बैंक जान-बूझकर कर्ज नहीं लौटाने वाले इन लोगों के साथ समझौता करके औने-पौने में कर्ज सेटलमेंट का फैसला कर सकते हैं। इतना ही नहीं ऐसे डिफॉल्टर्स के लिए एक साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी कर दिया गया है। यानी जान-बूझकर कर्ज नहीं लौटाने वाले जिन डिफॉल्टर्स के साथ बैंकों का समझौता होगा वे समझौते के एक साल बाद ही नए कर्ज के लिए आवेदन कर पाएंगे। पहले ऐसे डिफॉल्टर्स को कोई भी बैंक दोबारा कर्ज नहीं देता था। लेकिन अब एक साल बाद वे फिर कर्ज ले सकेंगे। सोचें, किसी भी देश का केंद्रीय बैंक आम आदमी के पैसे के ऐसे दुरुपयोग का मनमाना फैसला कैसे कर सकता है?

भारतीय रिजर्व बैंक के इस सरकुलर का एक मतलब यह भी है कि जितने कारोबारियों ने देश के बैंकों को चूना लगाया और बकाया पैसा लौटाने की बजाय देश छोड़ कर चले गए उन सबके साथ बैंकों का समझौता हो सकता है। वे अपने बकाया कर्ज को औने पौने में सेटल कर सकते हैं। यह स्पष्ट रूप से आम आदमी के खून पसीने की कमाई से लुटेरों की जेब भरने की स्कीम है। यह एक तथ्य है कि भारत के बैंकों की कमाई बढ़ रही है और पहली बार वित्त वर्ष 2022-23 में सरकारी बैंकों की कमाई एक लाख करोड़ रुपए से ऊपर पहुंच गई है। ब्याज से बैंकों को होने वाली कमाई में 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ऊपर से सभी बैंकों ने ग्राहकों के ऊपर दस तरह के शुल्क लगाए हैं। हर छोटी बड़ी सेवा के लिए शुल्क लगा दिया गया है, जिससे बैंकों की कमाई में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। न्यूनतम बैलेंस नहीं मेंटेन कर पाने वाले गरीब ग्राहकों से हजारों करोड़ रुपए की कमाई बैंकों ने की है और वह कमाई जान-बूझकर कर्ज नहीं लौटाने वालों पर लुटाए जाने की तैयारी हो गई है।

जब रिजर्व बैंक ने यह सरकुलर जारी किया तो बैंक संघों और कर्मचारियों ने इसका विरोध किया। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन और ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाई एसोसिएशन ने इस सरकुलर का विरोध किया है। लेकिन रिजर्व बैंक के ऊपर इसका कोई असर नहीं हुआ है। वह अपने सरकुलर पर कायम है। कायदे से इस तरह की कोई भी पहल सबसे पहले किसानों के लिए होनी चाहिए और उसके बाद एमएसएमई सेक्टर के छोटे कारोबारियों के लिए। इसके साथ ही जितने भी बैंक, नॉन बैंकिंग वित्तीय कंपनियां यानी एनबीएफसी और माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस यानी एमएफआई हैं उनके ऊपर सख्ती होनी चाहिए कि वसूली के नाम पर उनके कर्मचारी या भाड़े के गुंडे गरीबों, किसानों, मजदूरों और छोटे कारोबारियों पर ज्यादती न करें।

दस सीटों का राज्यसभा चुनाव, कौन कौन लौटेगा?

चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 10 सीटों पर दोवार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही यह कयास लगाया जाने लगा है कि कौन कौन वापस लौटेगा। तीन राज्यों में इन 10 सीटों के चुनाव होंगे। एक सीट गोवा की है, जो भाजपा को जाएगी। गुजरात की तीन सीटें हैं और वह भी भाजपा के खाते में जाएगी। रिटायर हो रहे तीनों सांसद भी भाजपा के ही हैं। इनमें एक सांसद विदेश मंत्री एस जयशंकर हैं। उनका फिर से राज्यसभा में जाना तय है। हालांकि कुछ दिन पहले चर्चा हो रही थी कि वे दिल्ली की किसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन लोकसभा का चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में है। इसलिए मंत्री बने रहने के लिए जरूरी है कि वे सांसद रहें। सो, वे निश्चित रूप से राज्यसभा में जाएंगे। बाकी जुगल सिंह माथुर और दिनेशचंद्र अनावादिया की वापसी मुश्किल है। बताया जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी और उनकी सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे नितिन पटेल को मौका मिल सकता है।

बाकी छह सीटें पश्चिम बंगाल की हैं। इन छह में से पांच सीटें तृणमूल कांग्रेस के खाते में है और एक सीट कांग्रेस की है। कांग्रेस प्रदीप भट्टाचार्य की सीट गंवाने जा रही है क्योंकि राज्य की विधानसभा में उसका एक भी विधायक नहीं है। यह सीट भाजपा के खाते में चली जाएगी, जिसके 75 विधायक हैं। तृणमूल कांग्रेस को अपनी पांचों सीटें वापस मिल जाएंगी। उसके रिटायर हो रहे सांसदों में सबसे अहम नाम डेरेक ओ ब्रायन का है। वे लगातार दो बार राज्यसभा सांसद रहे हैं। दिल्ली में वे पार्टी का चेहरा हैं इसलिए उम्मीद की जा रही है कि उनको तीसरा मौका मिल सकता है। वे अखबारों में अखबारों में पार्टी के पक्ष में लिखते हैं और सर्वदलीय बैठकों में पार्टी का नेतृत्व करते हैं। उनके अलावा सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देब, डोला सेन और शांता छेत्री रिटायर हो रहे हैं। इसमें सुखेंदु शेखर राय को छोड़ कर बाकी तीनों की टिकट अनिश्चित है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 071

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 70 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

नेकी कर बनाइए अपनी सेहत

एक अध्ययन में पता चला है कि भलाई करने वाले लोग ज्यादा खुश रहते हैं। इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने सकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभावों और इसके मानव जींस पर होने वाले परिणामों का अध्ययन किया। इस शोध में यह बात सामने आई कि लोगों की भलाई करने से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली सुधरती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे मनुष्य स्वस्थ रहता है। लोगों की भलाई करने से मनुष्य के जींस तक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन की पुष्टि के लिए डर, घबराहट, नकारात्मक मानसिक अवस्था का मानव शरीर व जींस पर भी अध्ययन किया। पहले भी कई शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि डर, घबराहट आदि से जींस पर खराब असर पड़ता है। प्रोफेसर स्टीवन कोल के अनुसार भलाई करने वाले लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने के कारण उनका शरीर मौसमी तथा अन्य प्रकार की बीमारियों से अच्छी तरह निपट लेता है। दरअसल, स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना बहुत जरूरी है। आत्मसंतुष्टि के बिना हम खुश नहीं रह सकते। आत्मसंतुष्टि ही हमें सच्ची खुशी प्रदान करती है। जब हम भलाई का कोई काम करते हैं तो हमे आत्मसंतुष्टि अपने आप मिल जाती है। यह आत्मसंतुष्टि ही हमारी रगों में खुशी का संचार करती है। आत्मसंतुष्टि कोई ऐसी चीज नहीं है कि उसे पाने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रयास किए जाएं। अगर प्रत्यक्ष रूप से इसे पाने की कोशिश की जाएगी तो यह हमसे लगातार दूर भागती रहेगी। मुख्य बात यह है कि हम क्या काम करने के बाद संतुष्ट हो रहे हैं। जब हम स्वयं को अच्छा लगने वाला कोई काम करते हैं तो हमें एक अद्भुत तृप्ति मिलती है। भलाई या परोपकार करने के बाद हमारे चेतन तथा अचेतन दिमाग में कुछ ऐसी तरंगें उत्पन्न होती हैं जो हमारे शरीर को शिथिल कर देती हैं। इसीलिए कोई भी अच्छा काम या फिर भलाई करने से अप्रत्यक्ष रूप से हमें आत्मसंतुष्टि प्राप्त होती है। इस आत्मसंतुष्टि को पाने के लिए ही अनेक लोगों ने सुख-सुविधाओं भरी जिन्दगी को तिलांजलि दे दी। ऐसे लोग भी आत्मसंतुष्टि को ही सबसे बड़ा सुख मानते हैं। रुपया-पैसा हमें भौतिक सुख तो दे सकता है लेकिन यह जरूरी नहीं कि इस धन-दौलत के माध्यम से हमें मन का सुख भी मिल जाए। यही कारण है कि धनी लोग भी मन के सुख की तलाश में भटकते रहते हैं। भौतिक सुखों के समस्त साधन उपलब्ध होने के बाद भी यदि हमें तृप्ति नहीं मिल रही है तो हम स्वस्थ कैसे रह सकते हैं? अगर धन-दौलत से स्वास्थ्य खरीदा जा सकता तो सारे धनी लोग स्वस्थ ही होते। हकीकत यह है कि धनी लोग बीमार होने के बाद बीमारी दूर करने के लिए अपने इलाज पर तो खर्च कर सकते हैं लेकिन प्राकृतिक स्वास्थ्य नहीं खरीद सकते।

कष्टों की प्रेरक याद

जब प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ तब श्रीराम ने माता कौशल्या को कहा, 'मां, अब मैं राजा बन गया हूं। अपने से छोटों को मुझे कुछ देना चाहिए। सबसे कहो, मुझसे कुछ मांग लें।' तब भरत को बुलाया गया तो भरत ने कहा, 'मेरा आपके चरणों में प्रेम बढ़ता जाए।'

भरत की पत्नी मांडवी को बुलाया गया तो उन्होंने कहा, 'रघुकुल की पुत्रवधू बनने का सौभाग्य मिला, मुझे और क्या चाहिए ' लक्ष्मण को बुलाया गया तो वे बोले, 'बचपन से साथ रहता आया हूं, बाकी जीवन भी इसी प्रकार व्यतीत हो।' उर्मिला ने मांगा, 'कैसी भी परिस्थितियां आयें मेरा धैर्य बना रहे।'

शत्रुघ्न ने भरत जी की सेवा मांग ली। शत्रुघ्न की पत्नी श्रुतिकीर्ति ने मांगा, 'प्रभु, आज स्नान करने से पूर्व जो वस्त्र आपने वनवास में पहने थे, वह आप मुझे दे दें। कल को यदि दुख आये तो हम त्याग और समर्पण के सिद्धांत को न भूल जायें, ये वस्त्र हमें याद दिलाते रहेंगे।'

टिहरी के कीर्तिनगर निवासी 75 वर्षीय श्रीमती अशरफी देवी, जिनका उपचार कैलाश अस्पताल के आईसीयू में चल रहा हैं, को प्रमुख समाज सेवी एवं रेडक्रास सोसाइटी के राज्य कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री के माध्यम से राज्य निर्माण आन्दोलनकारी रक्तदाता सत्येन्द्र सिंह भण्डारी ने (89वीं बार) रक्तदान किया।

आज सावन के प्रथम सोमवार को सुबह से ही सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में शिव भक्तों का तांता लगा रहा श्री महाकाल सेवा समिति 'रजि.' के सदस्यों द्वारा श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया गया साथ ही सदस्यों ने मंदिर की साफ सफाई भी की। संस्था के अध्यक्ष रोशन राणा, हेमराज अरोड़ा, जितेंद्र मलिक, डॉ वीरेंद्र भटट, एडवोकेट संजीव गुप्ता, बीके शर्मा , सचिन आनंद,अनुष्का राणा, कृतिका राणा सभी सदस्यों ने महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पहाड़ पर आफत का अलर्ट ..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

सर्वाधिक है बारिश रिकॉर्ड की गई है। उत्तराखंड में हो रही भारी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है वहीं टिहरी झील के जलस्तर में भारी बढ़ोतरी हो रही है। समुद्र तल से झील का स्तर 744.03 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच चुका है जिससे आसपास के क्षेत्रों के लिए खतरा बढ़ गया है डीएम टिहरी मयूर दीक्षित का कहना है कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

राज्य में 13 में से 9 जिलों में कल और परसों भारी से भी भारी बारिश की संभावना के मद्देनजर स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया गया है अल्मोड़ा, चंबा, चमोली, पौड़ी तथा टिहरी गढ़वाल में अत्यधिक बारिश होने की संभावना है जबकि दून, हरिद्वार, नैनीताल व उधमसिंह नगर में भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है। जिसे लेकर एसडीआरएफ, एनडीआरएफ व पुलिस प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पोक्सो एक्ट में एक गिरफ्तार, नाबालिग बालिका बरामद

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। नाबालिग के गुमशुदा होने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से नाबालिग को बरामद किया गया है। आरोपी पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट लगाकर उसे जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 5 जुलाई को चौखुटिया निवासी एक व्यक्ति द्वारा अपनी 17 वर्षीय पुत्री के बिना बताए घर से चले जाने एवं वापस न आने के संबंध में तहरीर थाना चौखुटिया में दी गयी थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। गुमशुदा नाबालिग की तलाश में जुटी पुलिस द्वारा अथक प्रयास व साईबर सैल की मदद से नोएडा से आमिल निवासी ग्राम शेखुपुरा थाना भावनपुर जिला मेरठ के कब्जे से नाबालिग बालिका को छुड़ाकर उसे गिरफ्तार किया गया तथा साक्ष्यों के आधार पर थाना चौखुटिया में पंजीकृत अभियोग में पोक्सो एक्ट व आईपीसी की सुसंगत धाराओं की बढ़ोतरी कर उसे जेल भेज दिया गया है।

युवक को बेहोश कर लूटे मोबाइल व नगदी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मोबाइन बेचने पहुंचे युवक को बेहोश कर मोबाइल व रूपये लूटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भण्डारी बाग निवासी दानिश खान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई अर्श खान मोबाइल रिपेयरिंग, सेल, प्रचेज का काम करता हैं उसके भाई ने एक मोबाइल सेमसंग जिसका ऐड ओएलएक्स पर डाला था इसी मोबाइल की खरीद को लेकर 26जून 2023 को समय करीब शाम सात बजे अर्श के मोबाइल पर किसी अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई तथा अर्श को यह कहा गया जिस मोबाइल की खरीद की बात हो रही है वह मोबाइल लेकर वह कारगी चौक पर आ जाए उसकी पेमेंट वह वही कर देंगे। जो कि पहले से ही 22,500 रूपये में तय हुई थी। उक्त व्यक्ति की बातों पर विश्वास करके उसका भाई करीब साढे आठ बजे से नौ बजे के बीच कारगी चौक पर पहुंच गया उसके भाई के पास उक्त मोबाइल सेमसंग के अलावा चार अन्य मोबाइल तथा पर्स के अन्दर 15,000 नगद, आधार, पेन, एटीएमकार्ड तथा डीएल आदि सामान एक्टिवा की डिग्गी में था। उसके भाई के पास अपने मोबाइल के अलावा एक फोन किसी अन्य व्यक्ति का भी था जो उसके पास ठीक होने आने आया था उक्त स्थान पर पहुंचने पर उसके भाई को दो व्यक्ति मिले। उन व्यक्तियों ने उसके भाई को कहा कि मोबाइल का सौदा हमने आपसे किया हुआ है, आप हमें मोबाइल दे दो उसके भाई द्वारा उन्हें मोबाइल दिखाया गया तो उन्होने कहा ठीक है हम ये मोबाइल खरीद लेते हैं और तुम्हे इसका पेमेंट अभी एटीएम से निकालकर दे देते हैं। इसी बीच वे उसके भाई को कोल्ड ड्रिंक पीने को दी जिसके बाद उसका भाई बेहोश हो गया और उक्त लोगों ने उसके भाई से सारे मोबाइल व पैसे लूटकर वहां से फरार हो गये। रात करीब 12 बजे आसिफ नाम का व्यक्ति उसके भाई को बेहोशी की हालत में घर लेकर आया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिना साइलेंसर बाइक वालों पर कार्यवाही, 10 बाइक व 1 स्कूटी सीज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले के दौरान बिना साइलेंसर बाइक वालों पर पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। इस क्रम में पुलिस ने 10 मोटर साईकिल व 1 स्कूटी को सीज किया गया है। प्रचलित कांवड़ मेला को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से एसएसपी हरिद्वार द्वारा बिना साइलेंसर की मोटर साईकलों की चैकिंग किए जाने के आदेश के अनुपालन में आज चौकी मण्डावर पर पुलिस द्वारा बिना साइलेंसर वाली 10 मोटरसाइकिलों व 1 स्कूटी कुल 11 वाहनो को सीज किया गया है। पुलिस का कहना है कि बिना साइलेंसर वाले वाहनों के विरुद्ध यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

वन विभाग के लैब अटेन्डैन्ट की परीक्षा में नकल करते दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लैब अटेन्डैट की परीक्षा में नकल करते दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजन डवलमेंट रिलेशनशिप के मैनेजर सचिन त्यागी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज चिल्ड्रन एकेडमी टैगोर विला मे वन शिक्षा निर्देशालय, पर्यावरण वन एवम जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के अन्तर्गत लैब अटेन्डैन्ट की सीधी भर्ति के पदो पर समय 3 से 5 बजे के मध्य परिक्षा आयोजित की गई थी। उक्त परिक्षा स्कूप टेस्टिंग सर्विस प्राईवेट लिमिटेड के माध्यम से सम्बधिंत विभाग द्वारा करवाई गई थी। परिक्षा के दौरान रूम नम्बर-12 में रोल नम्बर-100759, सुमित कुमार पुत्र जय सिह निवासी मकान नम्बर-451 भाबलपुर हिसार हरियाणा द्वारा परिक्षा कक्ष मे मोबाइल छुपाकर लाया गया एव मोबाइल मे इस्पाई कैमरा ऐप के माध्यम से प्रश्न पत्र की फोटोग्राफ लेकर अपने व्हटसएप नम्बर से व्हटसएप नम्बर पर समय साढे तीन से चार बजे के बीच भेजी गई। जिसे कक्ष निरक्षक योगेश द्वारा नये मोबाइल से नकल करते हुऐ पकडा गया एंवम रोल नम्बर-100760 सुमित सिह पुत्र नरेन्दर निवासी सिछंवी खेड़ा जिंद हरियाणा द्वारा नकल साम्रागी पर्ची के माध्यम से नकल की जा रही थी जिसे कक्ष निरक्षक योगेश प्रसाद चन्दन वन फेस -2 मथुरा द्वारा अमलेन्दु पाठक (आईएफएस) फैकल्टी लैक्चरार देहरादून के समक्ष पकडने का प्रयास किया तो सुमित सिह द्वारा पर्ची को मुंह मे डालकर निगल लिया। यह घटना कक्ष के सीसीटीवी कैमरा मे भी कैद हुई है। दोनो प्रकर्णो के सम्बन्ध मे मुझ प्रार्थी द्वारा सम्बन्धित विभाग के अधिकारी वी कार्तिक (आईएफएस), अमलेन्दु पाठक (आईएफएस) अनुपम वर्मा सेन्ट्रल एकेडमी फॉर स्टेट फोरेस्ट सर्विस को दी गई। परिक्षा समाप्ति के उपरान्त उक्त दोनो परिक्षार्थी सुमित कुमार, और सुमित सिह को पकड कर नये मोबाइल आदि दस्तावेज के परिक्षा केन्द्र मे उपस्थित पुलिस कर्मी सोहनवीर के साथ चौकी पर आए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

मंदिर में जल चढ़ाने गई किशोरी से पुजारी ने की छेड़छाड़, हिरासत में

देहरादून (हसं)। सावन के पहले सोमवार पर जहां राज्य के मंदिरों में आस्था का सरूर लोगों के सर चढ़ बोल रहा है। वहीं ऐसे में राज्य की राजधानी देहरादून से बेहद शर्मशार करने वाली खबर सामने आई है। यहां मंदिर में जल चढ़ाने गई किशोरी से पुजारी द्वारा छेड़छाड़ कर दी गयी, जिसका पता चलने के बाद परिजनों द्वारा खूब हंगामा काटा गया। तहरीर मिलने पर पुलिस ने आरोपित पुजारी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चुक्खुवाला स्थित

एक मंदिर में सावन का पहला सोमवार होने के चलते एक किशोरी जल चढ़ाने पहुंची। आरोप है कि किशोरी के साथ मंदिर के ही पुजारी द्वारा छेड़छाड़ कर दी गयी। मन्दिर के पुजारी द्वारा किशोरी के साथ की गयी छेड़छाड़ से किशोरी सकते में आ गयी और उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर परिजनों ने मौके पर पहुंच कर पुजारी के इस व्यवहार पर खूब हंगामा काटा। जिससे मौके पर भारी भीड़ जमा हो गयी। मामला शहर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत धारा चौकी क्षेत्र का होने के चलते किशोरी के परिजन शिकायत लेकर धारा चौकी पहुंचे। सूचना मिलने पर हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और हंगामा किया। जिस पर पुलिस ने पुजारी नरेंद्र सिंह को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ाई दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत !

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर सोमवार को दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन की अंतरिम जमानत अगले आदेश तक बढ़ा दी। न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की पीठ ने मामले को 24 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया। जैन की ओर से पेश सीनियर वकील एएम सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि तीन अस्पतालों, जीबी पंत, अपोलो और मैक्स ने सर्जरी की सिफारिश की है। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने तीनों अस्पतालों की रिपोर्ट पर संदेह जताते हुए सुप्रीम

कोर्ट से जैन की जांच एम्स में कराने की अपील की। अदालत ने कहा कि दो मेडिकल रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लाया गया है, एक और को रिकॉर्ड पर लाया जाना है। कोर्ट ने तीसरे रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लाने और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल को प्रति प्रस्तुत करने के लिए कहा। 26 मई को सत्येंद्र जैन को मिली थी छह सप्ताह की अंतरिम जमानत शीर्ष अदालत ने 26 मई को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन को छह सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दी थी। इस दौरान आप नेता से मीडिया से बात न करने और बिना अनुमति के दिल्ली न छोड़ने समेत कई अन्य शर्तें लगाई थी।

किंडरगार्टन स्कूल में चाकू मारकर 3 बच्चों सहित 6 लोगों की हत्या !

बीजिंग। चीन के गुआंगडोंग प्रांत में सोमवार को एक किंडरगार्टन स्कूल में एक सिरफिरे शख्स ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में 3 बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अभी तक हमले की वजह साफ नहीं हुई है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ये घटना चीन के दक्षिणपूर्वी गुआंगडोंग प्रांत के एक प्ले ग्रुप स्कूल में हुई। लियानजियांग काउंटी पुलिस ने बताया है कि मामला जानबूझकर किया गया

हमला है। 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों में एक शिक्षक, दो माता-पिता और तीन छात्र शामिल हैं। एक घायल भी हो गया है। स्कूल में हमला सुबह 7:40 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ, जबकि पुलिस ने संदिग्ध आरोपी को कुछ ही मिनट बाद पकड़ लिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, चीन में नागरिकों को हथियार (गन) रखने पर सख्ती से प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद हाल के वर्षों में चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ी हैं। विशेष रूप से स्कूलों को निशाना बनाकर किए गए घातक हमले देशभर में सामने आए हैं, जिससे अधिकारियों को स्कूलों के आसपास सुरक्षा बढ़ानी पड़ी है। बता दें कि अगस्त 2022 में, एक चाकूधारी हमलावर ने जियांग्शी प्रांत में एक किंडरगार्टन पर हमला किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

पत्नी व उसके प्रेमी की हत्या के इरादे से घूम रहा पति गिरफ्तार

❑तमंचा व दो कारतूस बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। पत्नी व उसके प्रेमी की हत्या के इरादे से घूम रहे पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा व दो कारतूस बरामद किये है।

डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि बीते रोज थाना नेहरूकालोनी पुलिस को सूचना मिली कि कल शाम हरिपुर नवादा में एक महिला व उसके पति के बीच किसी तीसरे व्यक्ति को लेकर भंयकर विवाद हुआ था। जिसमें महिला के पति द्वारा दोनो को ठिकाने लगाने की बात कही गयी थी और वह व्यक्ति आज सुबह अपने आवास से कही निकला हुआ है जो किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा सबसे पहले महिला व उसके प्रेमी की निगरानी शुरू कर दी गयी। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि उक्त महिला का पति हरिपुर नवादा के पास देखा गया है। जिसे पुलिस द्वारा रात ढाई बजे हिरासत में ले लिया गया। जिसके पास से एक तमंचा व दो कारतूस बरामद किये गये।

पूछताछ में उसने अपना नाम हसीन पुत्र मुन्ने निवासी हरिपुर नवादा व मूल बरेली बताया। बताया कि उसे शक था कि उसकी पत्नी का अपने एक दोस्त के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। जिस कारण उसका अपनी पत्नी से झगड़ा होता था। जिस कारण मैने उन्हे मारने की योजना बनायी और सुबह काशीपुर चला गया। जहां से मैने देशी तमंचा व दो कारतूस खरीदे और दोपहर को पूरी योजना के साथ उनको मारने आया। बताया कि इस दौरान उनके पड़ोस में किसी महिला की मौत हो गयी थी जिसके कारण वहां लोगों का आना जाना था। जिस पर मै योजना बनाकर रात को आया लेकिन पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

ऑनलाइन जॉब के नाम पर ठगे दो लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाइन जॉब के नाम पर दो लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मालसी निवासी मनीष मित्तल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 30 जून2023 को मोबाईल नम्बर से उसके मोबाईल नम्बर पर व्हट्सएप मैसेज प्राप्त हुआ जिसके द्वारा अज्ञात ने स्वयं का परिचय देते हुए बताया कि वह नामी कम्पनी का को आडिनेटर है और अपनी कम्पनी के लिए फ्रि लांसर ढूंढ रहा है। व्हटसएप चैट के द्वारा उसके द्वारा जानकारी दी गई की उनके द्वारा सोशल नेटवर्क पर सेल्स प्रमोशन के लिए कार्य किया जाता है जिस पर वह विभिन्न कम्पनियों की सेल प्रमोशन के लिए टास्क देते है जिसमें उनको यू-ट्यूब के विभिन्न चैनलस को सबस्क्राईब करना होता है जिससे की उस चैनल का सोशल मिडिया पर प्रचार हो सके और संबंधित कम्पनी की सेल में बढ़ौतरी हो सके। इसके द्वारा उसको भी ऑनलाइन जॉब आफर करते हुए अपनी कम्पनी के लिए फ्री लाइंसर का कार्य करने के लिए एक टेलिग्राम आईडी का लिंक दिया। टेलिग्राम पर कल्याणी से जुड़ने के बाद उसके द्वारा टास्क पूर्ण करने के लिए विभिन्न टास्क दिये गये और उससे प्रत्येक टास्क पूर्ण करने के लिए पैसा भी जमा करवाये गये। इसी तरह उक्त लोगों ने उसके साथ दो लाख आठ हजार रूपये की ठगी की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में जलाभिषेक के लिए उमड़े शिवभक्त

हमारे संवाददाता

देहरादून। सावन के पहले सोमवार को लेकर प्रदेशभर के शिव मंदिरों में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। तड़के सुबह से ही श्रद्धालु मंदिरों में जलाभिषेक के लिए लंबी कतारों में लगे रहे। इस बार सावन का महीना चार जुलाई से शुरू हो गया है।

देहरादून के टपकेश्वर मंदिर के दरवाजे तड़के साढ़े चार बजे से ही भक्तों के लिए खोल दिए गए। सूमची देवभूमि में बम-बम भोले के जयकारों के साथ भक्तों ने भगवान शिव का अभिषेक कर मन्नते मांगी गयी। ऐसा ही नजारा राजधानी दून के सभी मंन्दिरों में देखा गया। वहीं हरिद्वार के कनखल क्षेत्रांतर्गत दक्षेश्वर महादेव मंदिर में शिव भक्तों की भारी भीड़ देखी गयी जो अपनी बारी के इंतजार में कतारों में लगे हुए थे।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद महानिर्वाणी के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज के अनुसार सावन के महीने में पहले सोमवार का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए सोमवार के दिन महादेव की विधि विधान से पूजा अर्चना करनी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन का महीना भगवान शिव को अति प्रिय है और सप्ताह के सात दिन में से सोमवार का दिन ही भगवान शिव को समर्पित किया गया है। इस बार श्रावण मास में आठ सोमवार होंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।